चित्र नं-5

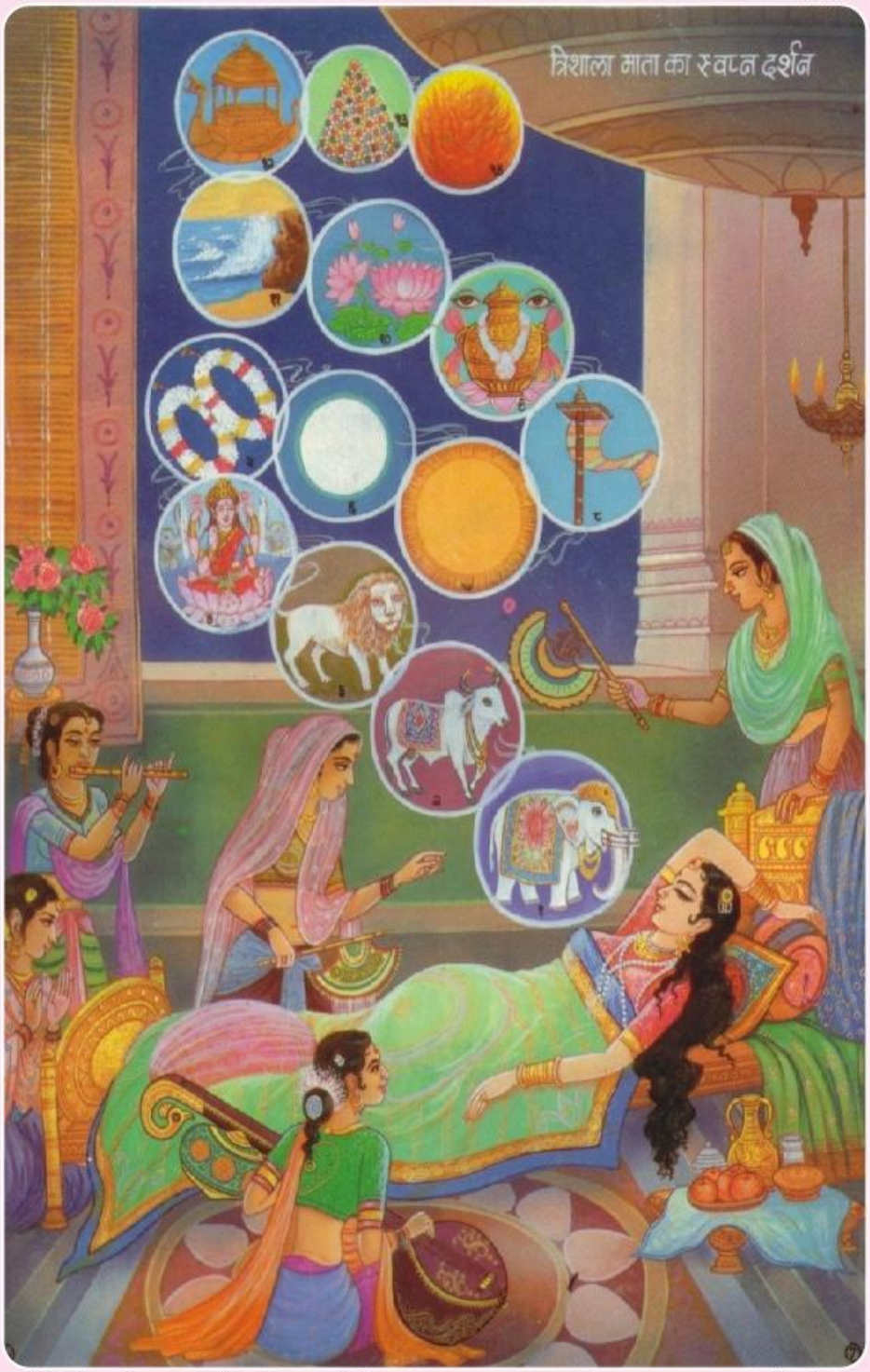

गर्भ में आने पर त्रिशला माता ने 14 दिव्य स्वप्न देखे।

विवरण 45 से 56 पेज तक

चित्र नं-6

शक्रेन्द्र द्वारा प्रभु का जन्म अभिषेक करने मेरू पर्वत पर ले जाना।

विवरण 45 से 56 पेज तक

चित्र नं-7

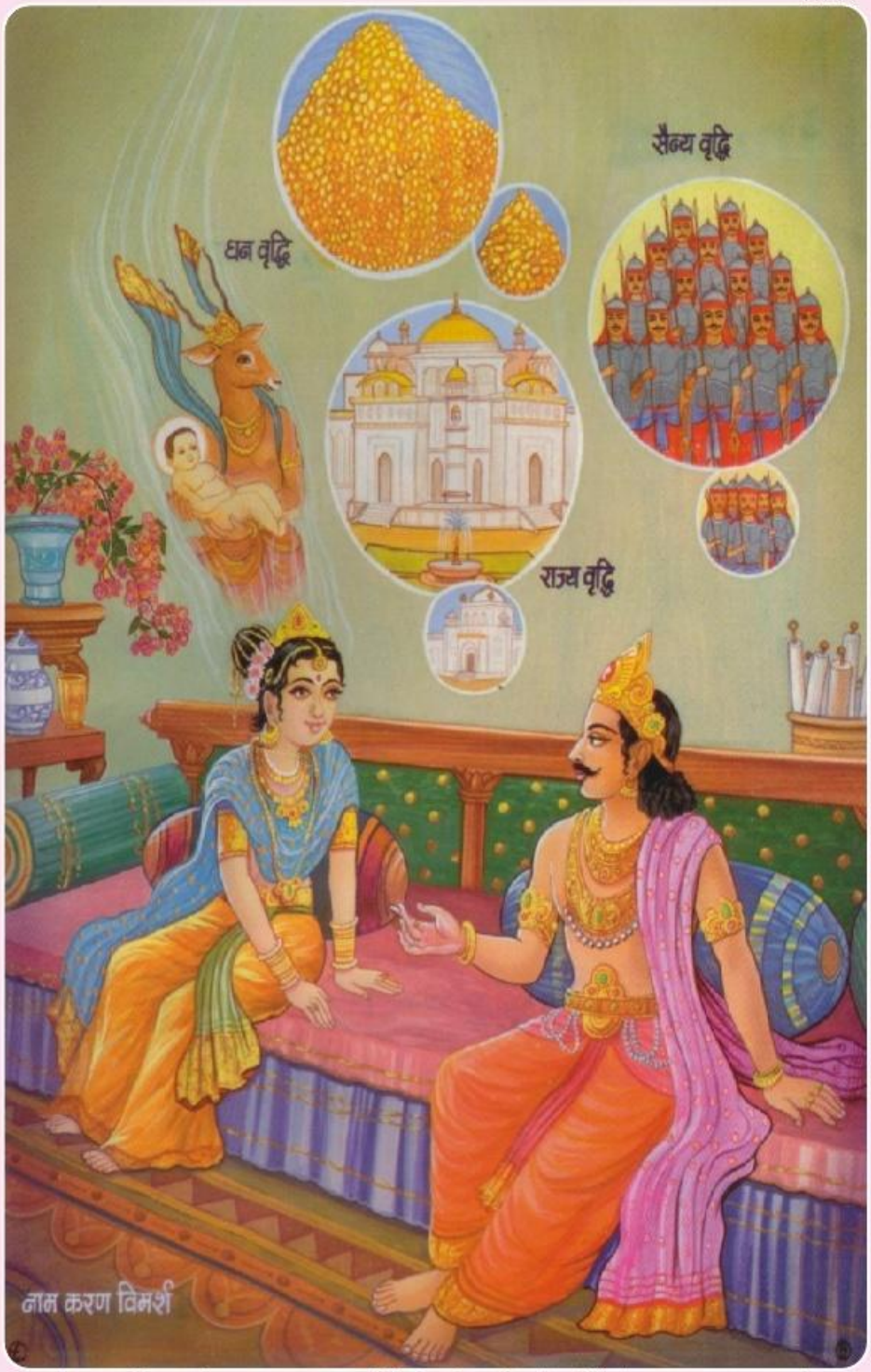

सिद्धार्थ राजा रानी त्रिशला से पुत्र का नामकरण करने के लिए विचार विमर्श करते हैं। सैन्य, राज्य, धन, धान्य को बढ़ाने वाला पुत्र होने के कारण वर्धमान नाम रखने का निश्चय।

विवरण 45 से 56 पेज तक

चित्र नं-8

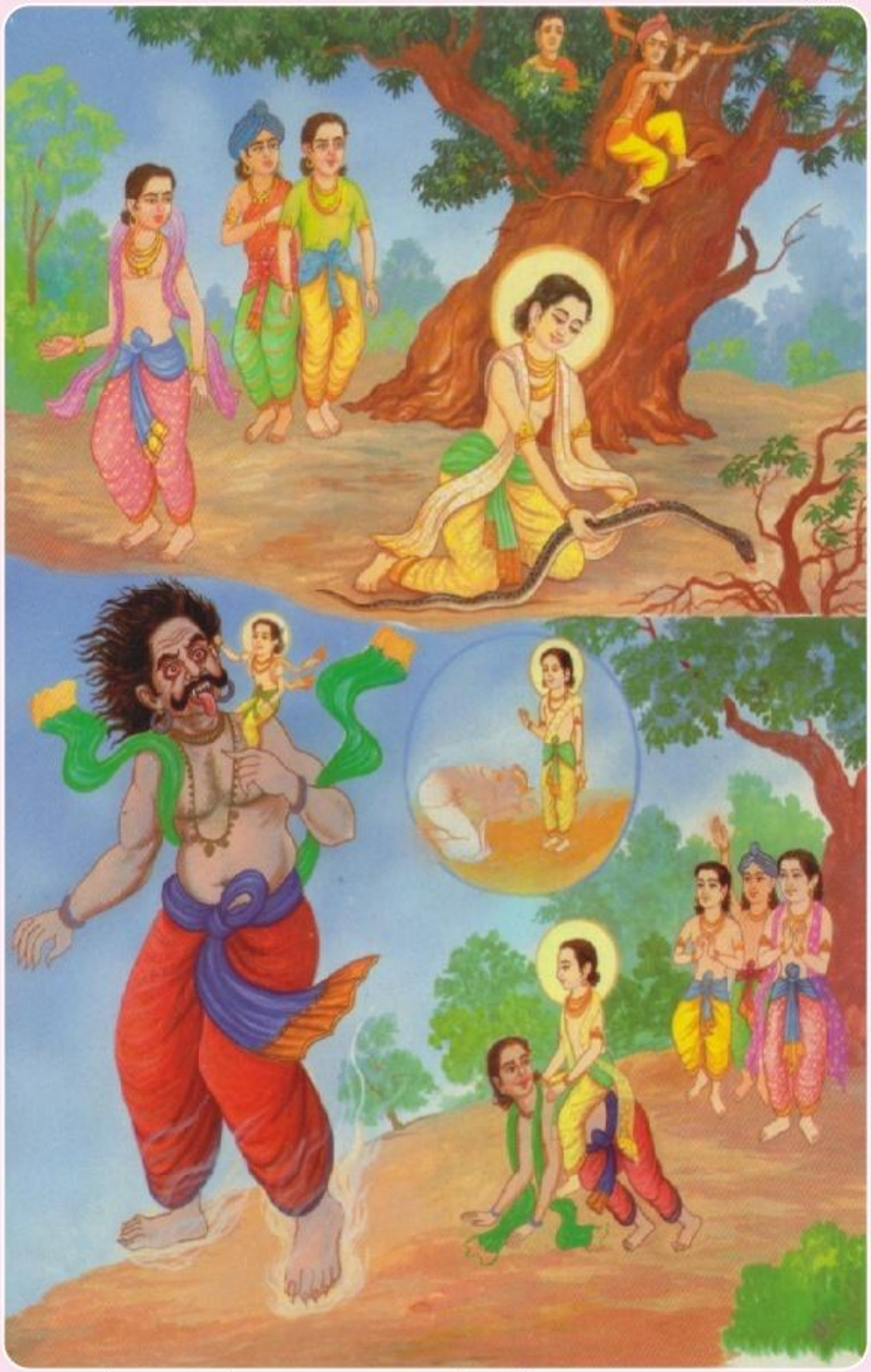

राजकुमार वर्धमान द्वारा सांप को पकड़कर दूर करना तथा मायावी देव की पीठ पर मुक्का मारकर उसका उपद्रव शान्त करना।

विवरण 45 से 56 पेज तक